

प्रेषक:

सी० भास्कर
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
उरेडा,
देहरादून।

ऊर्जा विभाग,

देहरादून: दिनांक 25 अगस्त, 2007

विषय: वित्तीय वर्ष 2007-08 में उत्तराखण्ड अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (उरेडा) को वैकल्पिक ऊर्जा कार्यक्रम के लिये अनुदान की स्वीकृति।

महोदय,

उपयुक्त विषयक आपके पत्र संख्या 1260/उरेडा-03(1)-37/बजटआहरण/2007-08, दिनांक 8-8-2007 के सद्वर्ग में एवं वित्त अनुभाग-1 के शासनादेश संख्या-2265/1/2007-01-6/2007, दिनांक 13-4-2007 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2006-07 में उत्तराखण्ड अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (उरेडा) को जिला सेक्टर में सौर थर्मल कार्यक्रम, सौर फोटोवोल्टाइक कार्यक्रम एवं ऊर्जा के अन्य स्रोत हेतु रु० 101.20 लाख सगत मद से तथा रु० 150.13 लाख सलग्न बी.एम.-15 के विवरणानुसार पुनर्विनिर्माण के माध्यम से अर्थात् कुल धनराशि 252.13 लाख (रु० दो करोड़ बावन लाख तेरह हजार मात्र) की धनराशि निम्न शर्तों के अधीन आहरित कर व्यय करने हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1- उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित कार्यों पर उनके लिये जनपदवार अनुमोदित परिव्यय की सीमा के अन्तर्गत ही किया जायेगा।
- 2- स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष जिन योजनाओं में भारत सरकार से धनराशि प्राप्त होती है, उसे प्राथमिकता के आधार पर प्राप्त कर योजनावार प्राप्त केन्द्रांश की सूचना शासन को उपलब्ध कराई जायेगी।
- 3- स्वीकृत धनराशि का बिल निदेशक, उरेडा द्वारा तैयार कर सहायक विद्युत निरीक्षक, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षरित के उपरान्त देहरादून कोषागार से आवश्यकतानुसार ही धनराशि का आहरण किया जायेगा। तदुपरान्त निदेशक, उरेडा द्वारा सम्बन्धित जिलों को धनराशि प्रेषित की जायेगी एवं जनपदवार प्रेषित की गई धनराशि की सूचना शासन को उपलब्ध करायी जायेगी।
- 4- व्यय करने से पूर्व बजट मैनुअल, फाईनैन्सियल हैंडबुक, स्टोर पर्यज मूल्य मितव्ययता टेण्डर के विषय में निर्गत आदेश एवं अन्य के सुसंगत नियमों का अनुपालन किया जायेगा, यदि कार्य पर स्वीकृति के पूर्व किसी तकनीकी स्वीकृति की आवश्यकता है, तो वे भी प्राप्त कर ही धनराशि व्यय की जायेगी।
- 5- स्वीकृत की जा रही धनराशि का मदवार व्यय विवरण व उपयोगिता प्रमाण पत्र निदेशक, उरेडा द्वारा शासन को तत्काल उपलब्ध कराया जायेगा।
- 6- कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित जनपद के परियोजनाधिकारी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 7- केन्द्र पुरोनिधानित योजनाओं पर केन्द्रांश अवमुक्त किये जाने के बाद ही कोषागार से आवश्यक धनराशि का आहरण किया जायेगा।

8- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.3.2008 तक उपयोग सुनिश्चित कर लिया जायेगा और उक्त तिथि तक कार्यवार वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा। समय से धनराशि का उपयोग न करने वाले प्रोजेक्ट मैनेजर/सक्षम अधिकारी का स्पष्टीकरण प्राप्त कर उसके विरुद्ध समुचित कार्यवाही की जायेगी। भारत सरकार से वित्त पोषित योजनाओं का उपयोगिता प्रमाण पत्र भारत सरकार को यथासमय प्रेषित कर दिया जायेगा।

9- अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के कल्याणार्थ धनराशि अलग से निर्गत की जायेगी।

10- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्यय के अनुदान संख्या-21 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 2810-वैकल्पिक ऊर्जा-आयोजनागत की संलग्नक में उल्लिखित सुसंगत मानक मदों के नामों डाला जायेगा।

2- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-298/XXXVII(2)/2007, दिनांक-22 अगस्त, 2007 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय

(सी० भाष्कर)
अपर सचिव

3854
संख्या:-[^] /1/2007-03(1)/17/07, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2- कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3- समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 4- प्रमुख सचिव, मुख्यमंत्री को मा० मुख्यमंत्री जी के संज्ञान में लाने हेतु।
- 5- निजी सचिव, ऊर्जा मंत्री को मा० ऊर्जा राज्य मंत्री के संज्ञान में लाने हेतु।
- 6- प्रभारी, एन.आई.सी. सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 7- नियोजन विभाग
- 8- वित्त अनुभाग-2
- 9- सहायक विद्युत निरीक्षक, देहरादून।
- 9- विभागीय आदेश पुस्तिका हेतु।

अज्ञा से,

(सी० भाष्कर)
अपर सचिव

शासनादेश सं० 3854/2007-3(1)/17/2007, दिनांक 24 अगस्त 2007 का संलग्नक

अनुदान सं० 21

(धनराशि हजार रु० में)

लेखाशीर्षक	अवमुक्त की जा रही धनराशि
2810-वैकल्पिक ऊर्जा-02-सौर एनर्जी-आयोजनागत- 101-सौर थर्मल कार्यक्रम-91-उरेडा के लिए अनुदान (जिला योजना)-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	3609
102-सौर फोटो वोल्टाइक कार्यक्रम (कमश)-03-सौर फोटो वोल्टाइक कार्यक्रम हेतु उरेडा को सहायता-91-उरेडा के लिए अनुदान-जिला योजना-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	19104
60-ऊर्जा के अन्य स्रोत-आयोजनागत-800-अन्य व्यय-01-कन्द्रीय अयोजनागत/केन्द्रीय पुरोनिधानित योजना के अन्तर्गत अंशपोषित -91-उरेडा के लिए अनुदान (जिला योजना)-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	2500
योग:-	25213

(कुल धनराशि रु० दो करोड़ बावन लाख तेरह हजार मात्र)

(सी० भाष्कर)
अपर सचिव

(ମି. ନାଥୁରାଜ ଦାଶ)

प्राप्ति किया जाता है कि पुनर्विनियोग से अक्षत मूल के परिसूट = $150 \times 1.51 \times 1.55 = 357.27$ रु. उत्पन्न नहीं होता है।

आपर सचिव

2- वित्त अनुभाग-2